निदेशक के डेस्क से

जैसाकि आप सभी को ज्ञात है कि व्यावहारिक प्रशिक्षण बोर्ड (पू.क्षे.) शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त निकाय है तथा विभिन्न उद्योगों और स्थापनाओं में नए उत्तीर्ण हुए स्नातक इंजीनियरिंग, डिप्लोमा धारक एवं सामान्य स्ट्रीम जैसे बी.ए., बी.एससी., बी.कॉम आदि में स्नातक वाले विद्यार्थियों को शिक्षुता प्रशिक्षण प्रदान करने में एक अहम् भूमिका का निर्वहन किया है। इसने व्यवहारिक रूप में विद्यार्थियों के कौशल-गुणों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाया है।

चूकिं यह योजना भारत सरकार द्वारा दिए गए वृत्तिका भाग पर आधारित है जिसका मुख्य उद्देश्य तकनीकी उत्तीर्ण विद्यार्थियों के कौशल को विकसित करना है जिन्हें एक निश्चित अंतराल तक किसी प्रकार का औद्योगिक प्रशिक्षण प्राप्त नहीं हुआ| ऐसे उत्तीर्ण विद्यार्थियों को आगे आना चाहिए और इस रोजगार के बाजार में स्वंय को अधिक से अधिक इसके योग्य बना सके। इस योजना के अंतर्गत प्रदान किया गया एक वर्षीय प्रशिक्षण एक वर्ष के कार्य अनुभव के समतुल्य है जो उन्हें विभिन्न नौकरियों विशेषत: सरकारी नौकरियों में बेहतर अवसर प्रदान करने में सहायता प्रदान करता है| वृत्तिका दर में संशोधन का विषय भी शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत क्रियाशील रूप में विचाराधीन है जिससे विद्यार्थियों को व्यापक रूप में प्रोत्साहन प्राप्ति की अपेक्षा है।

एक विशाल युवा आबादी का देश होने के नाते, भारत सरकार प्रतिभाशाली कुशल जनशक्ति संपन्न छात्रों को अवसर प्रदान करने हेतु जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने के लिए 'कौशल विकास मिशन' की शुरूआत की है। इस पृष्ठभूमि में व्या.प्र.बो. (पू.क्षे.), कोलकाता की भूमिका में काफी वृद्धि हुई है और हमने इस उभरते क्षेत्र में हमारी गतिविधियों को विविधता प्रदान की है। राष्ट्रीय अपरेंटिसशिप ट्रेनिंग स्कीम (एनएटीएस) वेब पोर्टल पूरी तैयारी के साथ आया है और छात्रों, संस्थानों और उद्योगों के नामांकन की पूरी गतिविधियों को विशेष रूप से ऑनलाइन आधारित बनाया गया है। इसके अलावा, 01/04/2017 से शिक्षु प्रशिक्षण हेतु नामांकित छात्रों का चयन और नियुक्ति तथा स्थापनाओं द्वारा वृत्तिका की प्रतिपूर्ति भी एक विशेष ऑनलाइन गतिविधि बन गया है। यह एनएटीएस पोर्टल पूर्वी क्षेत्र में अपरेंटिस अधिनियम के कार्यान्वयन में सुविधा के लिए एक प्रभावी अभाषी मंच के रूप में काम करेगा।

इस वर्ष भी, हमने वर्ष 2023-24 में हमारी योजना और गतिविधियों का प्रसार करने के लिए 'एक्शन प्लान और प्रोग्राम कैलेंडर, अप्रैल 2023 - मार्च 2024' विकसित किया है। आगामी कार्यक्रमों में आने वाली गतिविधियों को इस कार्यक्रम कैलेंडर में विस्तार से दिया गया है ताकि रुचि रखने वाले व्यक्ति और स्थापना भी स्वंय को इस प्रयास में शामिल कर सके।

डॉ. एस. एम. एजाज अहमद
निदेशक